राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
National Institute of Fashion Technology

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

हिंदी पखवाड़ा-2024-रिपोर्ट

हिन्दी अपने देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है - माखनलाल चतुर्वेदी

विषयवस्तु

हिंदी पखवाड़ा 2024..3
कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण..4
उद्घाटन समारोह..5
माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश...................................6
माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश.........................7
माननीय विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्घेरिटा जी का संदेश...............9
माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी का संदेश.....................................10
माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्रीमती रचना शाह जी का संदेश.......................11
माननीय निफ्ट महानिदेशक, श्रीमती तनु कश्यप जी का संदेश......................12
राजभाषा प्रतिज्ञा...14
राजभाषा प्रतिज्ञा की झलकियाँ:...15
हिंदी निबंध प्रतियोगिता(केवल स्टाफ के लिए):...16
हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)...................................18
हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)...........................20
हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (छात्रों के लिए)..22
हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)..................................24
चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)..........................26
हिंदी नाम अभिधा गतिविधि...28
प्रतियोगिता में भाग लिए गए विजताओं का विवरण...................................29
हिंदी पखवाड़ा के लिए प्रमाण पत्र...30
विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण...31
बहु कार्यकारिणी टीम...32
हिंदी पखवाड़ा 2024 का समापन...33

हिंदी पखवाड़ा 2024

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन सभी सरकारी कार्यालयों को करना आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वियन के लिए उत्साहवर्धक वातावरण बनाना तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहन देना है।

इसी सम्बन्ध में सरकारी निर्देशों, मुख्यालय की अपेक्षाओं एवं निफ्ट गाँधीनगर परिसर की परम्परा के अनुसार देवनागिरी की भावना का हमारी भाषा के रूप में उत्सव मनाते हुए इस वर्ष हिंदी दिवस दिनांक 14-09-2024 से 30-09-2024 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का भव्य आयोजन निफ्ट परिसर मे किया गया |

आकृति 1: हिंदी पखवाड़ा बैनर

कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण

इस हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत उद्घाटन और समापन समारोह सहित 6 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

क्रं संख्या	प्रतियोगिता/कार्यक्रम	दिनांक	स्थान	समन्वयक
1	हिंदी पखवाड़ा का शुभारम्भ (स्वागत भाषण,दीप प्रज्वालन, प्रतिज्ञा,संदेश पाठन, नाम अभिधा इत्यादी)	17 सितम्बर 2024,मंगलवार समय: 4-5 अ.प.	ऑडिटोरियम	हिंदी अनुभाग
2	हिंदी कविता पाठ (छात्रों के लिए)	17 सितम्बर 2024,मंगलवार समय: 5:00-5:30 अ.प.	ऑडिटोरियम	साहित्यिक क्लब (लिटरेरी क्लब)
3	हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	18 सितम्बर 2024 ,बुधवार समय: 4:00-5:30 अ.प.	आई.टी. लैब	हिंदी अनुभाग
4	हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम. टी. एस के लिए)	18 सितम्बर 2024 ,बुधवार समय: 4:00-5:30 अ.प.	टी. डी. ऑडियो विसुअल रूम	हिंदी अनुभाग
5	हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (छात्रों के लिए)	19 सितम्बर 2024, ब्रहस्पतिवार समय: 4:00-5:30 अ.प	टी. डी. ऑडियो विसुअल रूम	हिंदी अनुभाग
6	हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	19 सितम्बर 2024, ब्रहस्पतिवार समय: 4:00-5:30 अ.प	टी. डी. ऑडियो विसुअल रूम	हिंदी अनुभाग
7	चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	20 सितम्बर 2024, शुक्रवार समय: 4:00-5:30 अ.प	ऍफ़. एम. एस. क्लास रूम	हिंदी अनुभाग
8	हिंदी पखवाडा समापन समारोह (पुरुस्कार वितरण,धन्यवाद ज्ञापन)	30 सितम्बर 2024 सोमवार समय: 4:00-5:30 अ.प	ऑडिटोरियम	हिंदी अनुभाग

उद्घाटन समारोह

कार्यक्रम के प्रारम्भ में हिंदी विभाग के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक, संयुक्त निदेशक महोदय, सभी अधिकारी गण, संकायगण एवं साथी कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया गया और सभी सदस्यों को भारत के जन मानस को स्पर्श करने वाली हृदय भाषा, हिंदी दिवस की बहुत बहुत शुभकामनायें दी गयीं।

निदेशक,संयुक्त निदेशक महोदय द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर, हिंदी पखवाडा का शुभारम्भ किया गया एवं हिंदी विभाग के सदस्यों द्वारा निफ्ट मुख्यालय से प्राप्त माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, माननीय केंद्रीय राज्य वस्त्र मंत्री माननीय सचिव वस्त्र-मंत्रालय- भारत सरकार, एवं माननीय महानिदेशक (निफ्ट) के हिंदी दिवस संदेशों को पढ़ा गया |

संदेशों को पढने के पश्चात संयुक्त निदेशक, निफ्ट गांधीनगर ने सभी उपस्थित सदस्यों को निफ्ट मुख्यालय से प्राप्त राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई।

इसके उपरांत निदेशक,संयुक्त निदेशक महोदय के निर्देशानुसार औपचारिक रूप से हिंदी पखवाड़े में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं की घोषणा की गयी।

आकृति 2: हिंदी पखवाड़े का शुभारम्भ

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश

आकृति 3: माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो!

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस वर्ष का हिंदी दिवस समारोह विशेष है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि राजभाषा विभाग द्वारा इसे 'राजभाषा हीरक जयंती' के रूप में मनाया जा रहा है।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पुरातन सभ्यता और भाषिक विविधता के लिए दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। क्षेत्रीय भाषाओं ने हमारी अतुलनीय सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने और देशवासियों को भारतीयता के अटूट सूत्र में पिरोने का काम किया है। अतः हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को भारतीय अस्मिता का प्रतीक कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर विशेष बल दिया गया था। हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है। हिंदी की इसी शक्ति के कारण उन दिनों हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने वालों में लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राजगोपालाचारी एवं अन्य गैर-हिंदीभाषी महानुभावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आजादी के बाद हिंदी की इसी सर्वसमावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषाओं को स्थान दिया।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएँगे। इसका इतिहास लिखने वालों ने तो रासो ग्रंथों, सिद्धों-नाथों की वाणियों से लेकर भक्तिकाल के संत कवियों और खड़ी बोली तक इसकी परम्परा को माना है। कवि चंदबरदाई से लेकर महाकवि विद्यापति, ज्योतिरीश्वर ठाकुर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, आंडाल, गुरु नानकदेव जी, संत रैदास, कबीरदास जी से लेकर आज तक कई साहित्यकारों व भाषाविदों ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया। इसके विकास में उन असंख्य लोकभाषाकारों का भी अमूल्य योगदान है, जो गायन-वादन के द्वारा इस भाषा के आदिरूपों को जन-जन तक पहुँचाते रहे। हिंदी भाषा मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज, हरियाणवी, राजस्थानी, मेवाती, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, बघेली, कुँमाउनी, गढ़वाली जैसी मातृभाषाओं के समन्वित रूप से ही तो बनी है। मुझे खुशी है कि हिंदी भाषा इन मातृभाषाओं को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ रही है और लगातार विकसित हो

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

रही है। आज जब राजभाषा के रूप में हिंदी अपनी 75वीं वर्षगाँठ पूरी कर रही है, तब हमें इसका यह इतिहास जरूर याद रखना चाहिए।

14 सितंबर, 1949 से लेकर लगातार राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। राजभाषा विभाग की विशाल यात्रा को पीछे मुड़ कर देखें, तो हमें कई महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाई देते हैं, जहाँ इस विभाग ने जिम्मेदारीपूर्वक सरकारी तंत्र को भाषिक चेतना के प्रति प्रेरित किया है।

साल 1977 में श्रद्धेय **अटल बिहारी वाजपेयी जी** ने तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित कर राजभाषा का मान बढ़ाया। माननीय **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी भाषा में संबोधन देते हैं और भारतीय भाषाओं के उद्धरण देते हैं, तो समूचे देश में अपनी भाषा के प्रति गौरव के भाव को और बल मिलता है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने राजभाषा को और भी समृद्ध व सक्षम बनाने के हर संभव कार्य किए हैं। 2018 में अनुवाद टूल कंठस्थ का लोकार्पण हो, 2020 में भारत की नई शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को विशेष महत्व देने की अनुशंसा हो, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं की सूची में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल करने के लिए विधेयक पारित करना हो, 2022 में हिंदी दिवस पर कंठस्थ 2.0 का लोकार्पण हो या साल 2021 से हर साल हिंदी दिवस पर 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित करना हो, सरकार राजभाषा व भारतीय भाषाओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने प्रतिवेदन का 12वाँ खंड भी माननीय राष्ट्रपति महोदया को सौंप दिया है।

राजभाषा में कार्यों को प्रोत्साहन देने हेतु हमने साल 2022 से संशोधित राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना भी शुरू की है जिसके तहत ज्ञान-विज्ञान, अपराध शास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर एवं विधि के क्षेत्र में राजभाषा में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही, राजभाषा विभाग ने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' का निर्माण भी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन तक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित की जाए। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जनभाषा के बीच की दूरी को पाटें, ताकि देश के हर वर्ग का नागरिक देश की प्रगति से परिचित भी हो और लाभान्वित भी। इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी भारतीय भाषाओं की सशक्त भूमिका रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस एवं राजभाषा हीरक जयंती समारोह, मातृभाषाओं के प्रति राजभाषा विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का सार्थक माध्यम बनेगा। मैं राजभाषा विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वंदे मातरम्!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

(अमित शाह)

माननीय विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्घेरिटा जी का संदेश

पबित्र मार्घेरिटा
Pabitra Margherita

सत्यमेव जयते

विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State for
External Affairs and Textiles
Government of India

संदेश

भारत समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं वाला एक विशाल देश है। सदियों से यहां अनेकों भाषाएं और बोलियां व्यवहार में रही हैं जो देश की सामाजिक परम्पराओं की संवाहिका रही हैं। इसकी सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताएं इसे अद्‌भुत और असाधारण देशों की श्रेणी में सर्वोत्तम बनाती हैं। ये विविधताएं जनजीवन के रहन-सहन में ही नहीं अपितु भाषाओं के स्तर पर भी देखी जा सकती हैं।

हमारे संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसलिए, हम प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते आ रहे हैं। उस ऐतिहासिक निर्णय को ध्यान में रखते हुए राजभाषा हिंदी के विकास और समृद्धि के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से सरकारी कामकाज करना हम सब की नैतिक एवं संवैधानिक जिम्मेदारी है।

इसके लिए सरकार द्वारा तमाम पुरस्कारों, प्रोत्साहनों एवं प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था की गई है। सरकारी कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को इन व्यवस्थाओं का लाभ उठा कर सरकारी काम-काज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाना चाहिए। निस्संदेह एक विदेशी भाषा की बजाय अपनी भाषा में काम करके हमें गर्व की अनुभूति होगी तथा इससे राष्ट्रीयता की भावना भी पुष्ट होती है।

मुझे पूरा विश्वास है कि मंत्रालय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारी और कर्मचारी मेरी इस अपील का सम्मान करते हुए अपना अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करेंगे और अपने मातहतों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

पबित्र मार्घेरिटा
(पबित्र मार्घेरिटा)

आकृति 5: माननीय विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्घेरिटा जी का संदेश

माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी का संदेश

गिरिराज सिंह
GIRIRAJ SINGH

सत्यमेव जयते

वस्त्र मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF TEXTILES
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

भाषा, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का अभिन्न रूप होने के साथ-साथ विचारों को अभिव्यक्त करने का भी बहुत सहज माध्यम है। सदियों से भारत विविध भाषाओं और बोलियों वाला विशाल देश रहा है और हिंदी के समृद्ध भाषा होने से यह सर्वमान्य है कि हिंदी स्पष्ट रूप से पूरे देश में संपर्क भाषा की भूमिका निभा सकती है। भारत की संविधान सभा ने हिंदी के इसी महत्व को समझते हुए, 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। इसी उपलक्ष्य में हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

आज के आधुनिक युग में नई-नई तकनीकों का प्रयोग बढ़ रहा है। इन तकनीकों ने हिंदी भाषा में काम करना सरल बना दिया है जो हमारे देश के आर्थिक विकास में भी योगदान दे रहा है चाहे वह 'आत्मनिर्भर' भारत की संकल्पना हो या 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना। गत कई वर्षों से भारत सरकार का हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर निरंतर जोर रहा है। वस्त्र मंत्रालय अपने कार्यों और दायित्व के निर्वहन के माध्यम से सीधे आम लोगों से जुड़ा है, इसलिए वस्त्र मंत्रालय में भी राजभाषा हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है जो हमारे शासकीय कामकाज में परिलक्षित होता है।

हिंदी दिवस के अवसर पर वस्त्र मंत्रालय और इसके सभी कार्यालयों के समस्त वरिष्ठ अधिकारी और कार्मिक यह निश्चय करें कि हम अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अपने शासकीय कामकाज में सरल और सुबोध हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे और अपने राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे।

(गिरिराज सिंह)

आकृति 6 : माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी का संदेश

माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्रीमती रचना शाह जी का संदेश

रचना शाह, भा.प्र.से.
सचिव
Rachna Shah, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI - 110 011

14 सितंबर, 2024

संदेश

हिंदी न केवल भारत के संविधान द्वारा स्वीकृत राजभाषा है बल्कि भारत देश के रीति-रिवाजों, विचारों और यहां की सभ्यता-संस्कृति की जीवंत परम्पराओं की भी परिचायक है। हिंदी अत्यंत सरल, समृद्ध और सशक्त भाषा है जो अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करते हुए पूरे राष्ट्र को एक कड़ी में जोड़ने का कार्य कर रही है।

भारत के विकास और प्रगति में हिंदी भाषा का अत्यधिक योगदान रहा है। शासन-प्रशासन और जनता के मध्य सूचनाओं के प्रेषण और संवाद में तारतम्यता का सूत्र है- **हिंदी**। वस्त्र मंत्रालय के कार्यों का स्वरूप ऐसा है कि इसकी विभिन्न योजनाएं सीधे आमजन से जुड़ी हैं। अतः मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं का लाभ जन-जन तक और अधिक पहुंचाने के लिए यह जरूरी हो जाता है कि इन योजनाओं के कार्यान्वयन में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग हो जिससे कारीगरों और बुनकरों को इन योजनाओं की जानकारी मिल सके और वे इसका प्रचुर लाभ उठा सकें।

हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर, मैं वस्त्र मंत्रालय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों/बोर्डों/निगमों के अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करती हूं कि वे अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। 14 सितंबर से 28 सितंबर, 2024 के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में सहभागिता करें तथा संवैधानिक कर्तव्य का पालन करते हुए अपना सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करें।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

रचना शाह

(रचना शाह)

आकृति 7 : माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्रीमती रचना शाह जी का संदेश

माननीय निफ्ट महानिदेशक, श्रीमती तनु कश्यप जी का संदेश

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
सांविधिक संस्थान निफ्ट अधिनियम 2006
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY
A Statutory Institute under the NIFT Act, 2006
Ministry of Textiles, Government of India

तनु कश्यप, भा.प्र.से.
महानिदेशक
Tanu Kashyap, IAS
Director General

संदेश

मेरे प्रिय निफ्ट परिवार के साथियों,

हिन्दी दिवस-2024 की हार्दिक शुभकामनाएं!

किसी भी देश, क्षेत्र अथवा सभ्यता की संस्कृति के तीन महत्वपूर्ण आधार होते हैं, पहला खान-पान, दूसरा वेशभूषा और तीसरा उसकी भाषा। चूंकि निफ्ट का कार्य क्षेत्र वेशभूषा से संबंधित है और राजभाषा का अधिकाधिक उपयोग हमारा संवैधानिक ही नहीं बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है इस कारण से निफ्ट का कार्यक्षेत्र और भी अधिक व्यापक हो जाता है।

भारत, विभिन्न भाषाओं एवं संस्कृतियों वाला विशाल देश है जहां विभिन्न प्रकार की बोलियां भी बोली जाती हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं किसी भी देश के विकास में वहां की भाषा का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान होता है। निफ्ट ने अपने कार्यक्षेत्र की व्यापकता के दायित्व को समझते हुए हिन्दी का विस्तृत रुप से उपयोग किया है। अभी हाल ही में माननीय केन्द्रिय वस्त्र मंत्री श्री गिरीराज सिंह जी के द्वारा जारी **'विजननेक्स्ट-2024'** की पुस्तक को हिन्दी में जारी किया गया है। इसके अलावा निफ्ट द्वारा दिल्ली हाट में आयोजित **'छाप-2024'** के आयोजन में भी हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग किया गया है।

आकृति 8: माननीय निफ्ट महानिदेशक, श्रीमती तनु कश्यप जी का संदेश

माननीय निफ्ट महानिदेशक, श्रीमती तनु कश्यप जी का संदेश

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

National Institute of Fashion Technology

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, मुख्यालय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन परिसरों में भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार-प्रसार प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से किया जाता है जो कि जन-मानस के हिंदी से संबंधित है। अतः राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से इस विशेष अवसर पर अपेक्षित है कि वे अपने संवैधानिक दायित्वों को समझते हुए न केवल हिंदी पखवाड़ा के दौरान बल्कि संपूर्ण वर्ष अपना कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में पूरी निष्ठा के साथ करें।

हिंदी दिवस के इस विशेष अवसर पर मैं निफ्ट मुख्यालय तथा इसके सहयोगी कैम्पसों में कार्यरत अधिकारी/प्राध्यापकों/कर्मचारियों से अपील करती हूँ कि वे अपना अधिकाधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करें। मुख्यालय में हिंदी पखवाडे के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रोत्साहन प्रतियोगिताओं के समान ही सभी परिसरों में भी ऐसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं और सभी पदाधिकारी अपने आप को एक भारत के जिम्मेदार नागरिक मानते हुए इनमें सक्रिय रूप से भाग लें।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि ऐसा करने से निफ्ट संगठन के काम-काज को राजभाषा हिंदी में करने में न केवल बढ़ोत्तरी होगी बल्कि इससे हम सभी के प्रयासों से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों एवं माननीय संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में सहायक होगी।

जय हिन्द, जय हिन्दी, जय भारत ।

तनु

(तनु कश्यप)
महा निदेशक, निफ्ट

आकृति 8: माननीय निफ्ट महानिदेशक, श्रीमती तनु कश्यप जी का संदेश

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग

(सदैव ऊर्जावान;निरंतर प्रयासरत)

...

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम, केंद्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से; अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से; प्रशिक्षण और प्राइज़ से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाये रखेंगे, उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे; अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए; अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा-हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे। हम राजभाषा के संवर्द्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जय राजभाषा ! जय हिंद!

--

आकृति 09: राजभाषा प्रतिज्ञा

राजभाषा प्रतिज्ञा की झलकियाँ

माननीय संयुक्त निदेशक महोदय जी एवं परिसर के सभी सदस्यों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा ली गयी।

हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

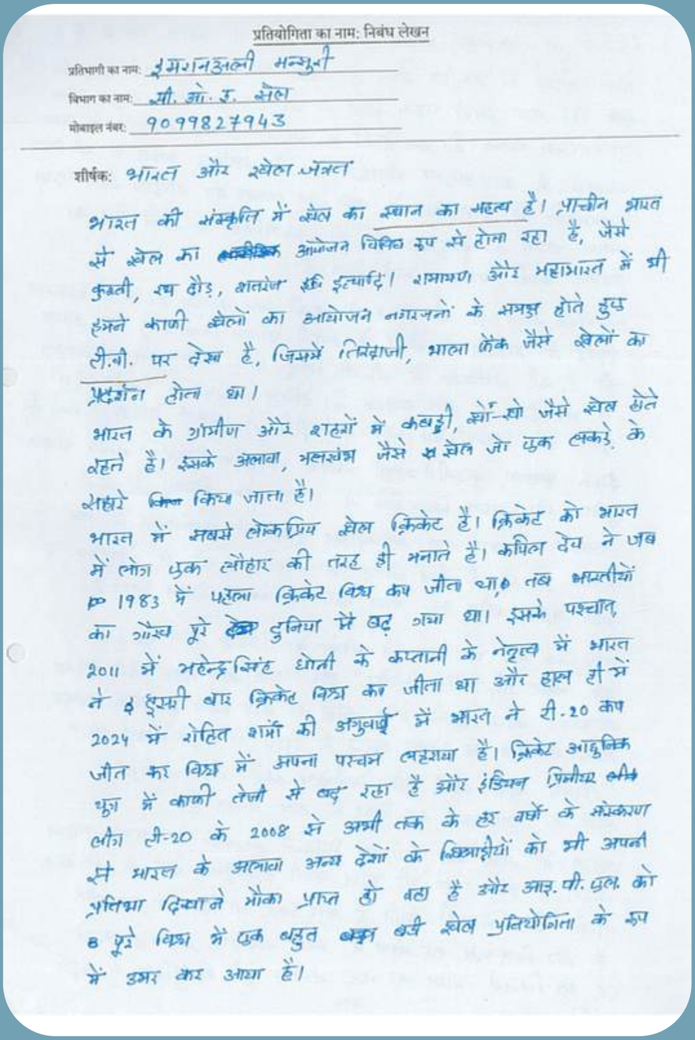

प्रतियोगिता का नाम: निबंध लेखन

प्रतिभागी का नाम: इमरानअली मन्सुरी

विभाग का नाम: सी. ओ. ई. सेल

मोबाइल नंबर: 9099827943

शीर्षक: भारत और खेल जगत

भारत की संस्कृति में खेल का स्थान का महत्व है। प्राचीन भारत से खेल का आयोजन विविध रूप से होता रहा है, जैसे कुश्ती, रथ दौड़, शतरंज इत्यादि। रामायण और महाभारत में भी हमने काफी खेलों का आयोजन नगरजनों के समक्ष होते हुए टी.वी. पर देखा है, जिसमें तिरंदाजी, भाला फेंक जैसे खेलों का प्रदर्शन होता था।

भारत के ग्रामीण और शहरों में कबड्डी, खो-खो जैसे खेल होते रहते हैं। इसके अलावा, मलखंभ जैसे खेल जो एक लकड़े के सहारे किया जाता है।

भारत में सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट है। क्रिकेट को भारत में लोग एक त्यौहार की तरह ही मनाते हैं। कपिल देव ने जब 1983 में पहला क्रिकेट विश्व कप जीता था, तब भारतीयों का गौरव पूरे दुनिया में बढ़ गया था। इसके पश्चात् 2011 में महेन्द्रसिंह धोनी के कप्तानी के नेतृत्व में भारत ने दूसरी बार क्रिकेट विश्व कप जीता था और हाल ही में 2024 में रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत ने टी-20 कप जीत कर विश्व में अपना परचम लहराया है। क्रिकेट आधुनिक युग में काफी तेजी से बढ़ रहा है और इंडियन प्रिमीयर लीग टी-20 के 2008 से अभी तक के हर वर्षों के संस्करण से भारत के अलावा अन्य देशों के खिलाड़ीयों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने मौका प्राप्त हो रहा है और आइ.पी.एल. को पूरे विश्व में एक बहुत बड़ी खेल प्रतियोगिता के रूप में उभर कर आया है।

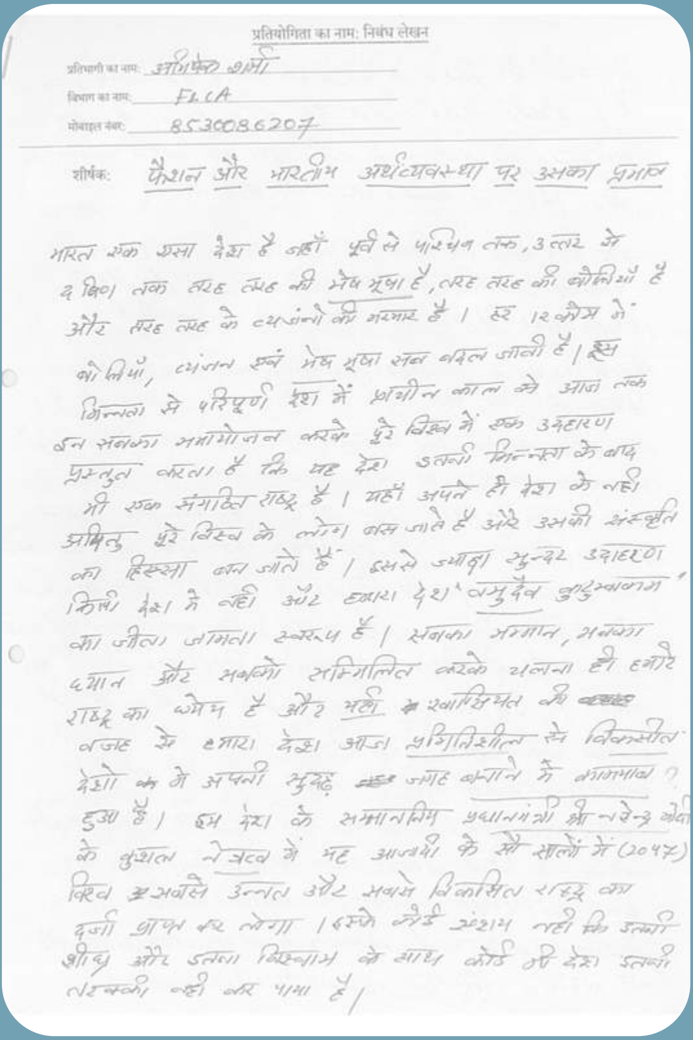

प्रतियोगिता का नाम: निबंध लेखन

प्रतिभागी का नाम: अभिषेक शर्मा

विभाग का नाम: FL CA

मोबाइल नंबर: 8530086207

शीर्षक: फैशन और भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसका प्रभाव

भारत एक ऐसा देश है जहाँ पूर्व से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक तरह तरह की वेष भूषा है, तरह तरह की बोलियाँ हैं और तरह तरह के व्यंजनों की भरमार है। हर 12 कोस में बोलियाँ, व्यंजन एवं वेष भूषा सब बदल जाती है। इस भिन्नता से परिपूर्ण देश में प्राचीन काल से आज तक इन सबका समायोजन करके पूरे विश्व में एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि यह देश इतनी भिन्नता के बाद भी एक संगठित राष्ट्र है। यहाँ अपने ही देश के नहीं अपितु पूरे विश्व के लोग बस जाते हैं और उसकी संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। इससे ज्यादा सुन्दर उदाहरण किसी देश में नहीं और हमारा देश 'वसुधैव कुटुम्बकम' का जीता जागता स्वरूप है। सबका सम्मान, सबका ध्यान और सबको सम्मिलित करके चलना ही हमारे राष्ट्र का ध्येय है और यही खासियत की वजह से हमारा देश आज प्रगतिशील से विकसित देशों में अपनी सुदृढ़ जगह बनाने में कामयाब हुआ है। इस देश के सम्माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में यह आजादी के सौ सालों में (2047) विश्व सबसे उन्नत और सबसे विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त कर लेगा। इसमें कोई संशय नहीं कि इतनी शीघ्र और इतना विश्वास के साथ कोई भी देश इतनी तरक्की नहीं कर पाया है।

हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

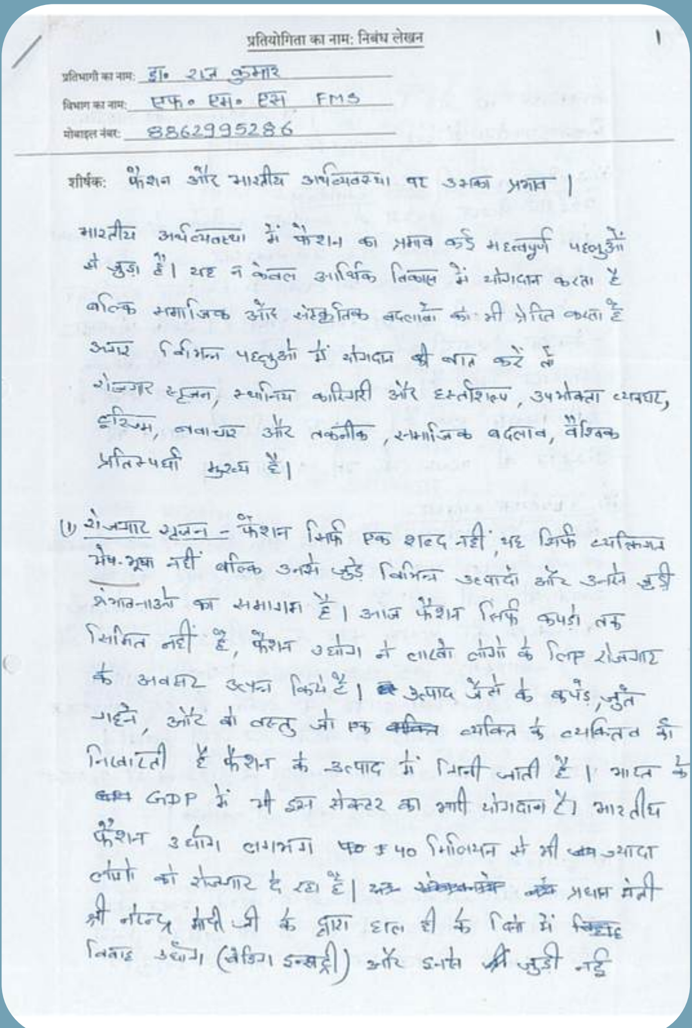

प्रतियोगिता का नाम: निबंध लेखन

प्रतिभागी का नाम: डॉ॰ राज कुमार

विभाग का नाम: एफ॰ एम॰ एस FMS

मोबाइल नंबर: 8862995286

शीर्षक: फैशन और भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसका प्रभाव।

भारतीय अर्थव्यवस्था में फैशन का प्रभाव कई महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़ा है। यह न केवल आर्थिक विकास में योगदान करता है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक बदलावों को भी प्रेरित करता है अगर विभिन्न पहलुओं में योगदान की बात करें तो रोजगार सृजन, स्थानिय कारिगरी और हस्तशिल्प, उपभोक्ता व्यवहार, टूरिज्म, नवाचार और तकनीक, सामाजिक बदलाव, वैश्विक प्रतिस्पर्धा मुख्य है।

(1) रोजगार सृजन - फैशन सिर्फ एक शब्द नहीं, यह सिर्फ व्यक्तिगत वेष-भूषा नहीं बल्कि उनसे जुड़े विभिन्न उत्पादों और उनसे जुड़ी संभावनाओं का समागम है। आज फैशन सिर्फ कपड़ों तक सिमित नहीं है, फैशन उद्योग ने लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न किये हैं। उत्पाद जैसे के कपड़े, जुते गहने, और वो वस्तु जो एक व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है फैशन के उत्पाद में गिनी जाती है। भारत के GDP में भी इस सेक्टर का भारी योगदान है। भारतीय फैशन उद्योग लगभग 40 मिलियन से भी ज्यादा लोगों को रोजगार दे रहा है। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा हाल ही के दिनों में विवाह उद्योग (वेडिंग इन्डस्ट्री) और इनसे जुड़ी नई

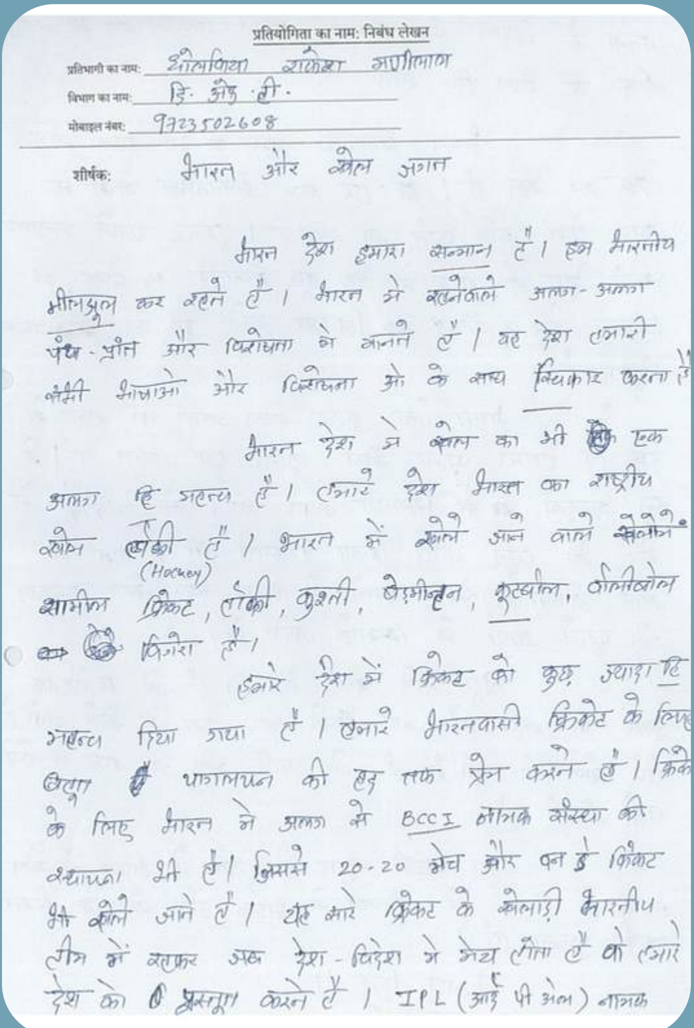

प्रतियोगिता का नाम: निबंध लेखन

प्रतिभागी का नाम: ढोलकिया राकेश मणीलाल

विभाग का नाम: डि॰ ओ॰ टी॰

मोबाइल नंबर: 9723502608

शीर्षक: भारत और खेल जगत

भारत देश हमारा सन्मान है। हम भारतीय भीलजुल कर रहते हैं। भारत मे रहनेवाले अलग-अलग पंथ-प्रांत और विशेषता से जानते हैं। यह देश हमारी कैसी भाषाओं और विशेषता ओ के साथ स्विकार करता है।

भारत देश मे खेल का भी एक अलग हि महत्व है। हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी (Hockey) है। भारत में खेले जाने वाले खेलोंमें शामील क्रिकेट, हॉकी, कुश्ती, बेडमींटन, फुटबॉल, वॉलीबॉल इत्यादि हैं।

हमारे देश में क्रिकेट को कुछ ज्यादा हि महत्व दिया गया है। हमारे भारतवासी क्रिकेट के लिए उत्साह पागलपन की हद तक प्रेम करते हैं। क्रिकेट के लिए भारत ने अलग से BCCI नामक संस्था की स्थापना की है। जिससे 20-20 मेच और वन डे क्रिकेट भी खेले जाते हैं। यह सारे क्रिकेट के खेलाड़ी भारतीय टीम में रहकर जब देश-विदेश मे मेच होता है वो हमारे देश को प्रस्तुत करते हैं। IPL (आई पी अेल) नामक

हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

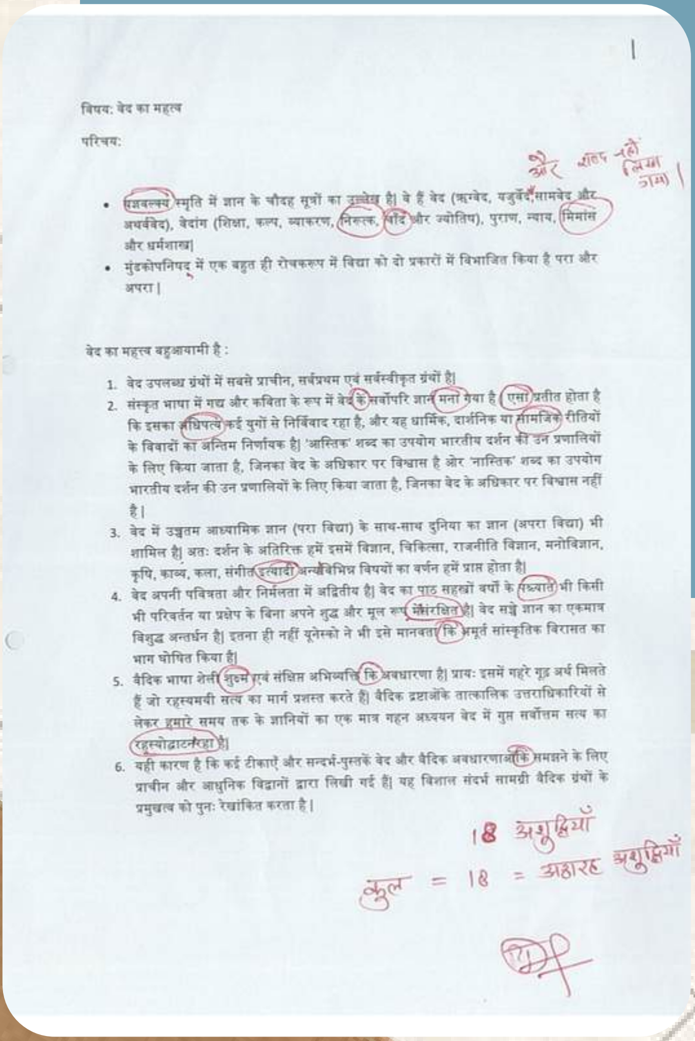

1

विषय: वेद का महत्व

परिचय:

और शब्द नहीं लिखा गया।

- यज्ञवल्क्य स्मृति में ज्ञान के चौदह सूत्रों का उल्लेख है। वे हैं वेद (ऋग्वेद, यजुर्वेद सामवेद और अथर्ववेद), वेदांग (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद और ज्योतिष), पुराण, न्याय, मिमांसा और धर्मशास्त्र।
- मुंडकोपनिषद् में एक बहुत ही रोचकरूप में विद्या को दो प्रकारों में विभाजित किया है परा और अपरा।

वेद का महत्त्व बहुआयामी है :

1. वेद उपलब्ध ग्रंथों में सबसे प्राचीन, सर्वप्रथम एवं सर्वस्वीकृत ग्रंथों है।
2. संस्कृत भाषा में गद्य और कविता के रूप में वेद के सर्वोपरि ज्ञान मना गया है एसा प्रतीत होता है कि इसका अधिपत्य कई युगों से निर्विवाद रहा है, और यह धार्मिक, दार्शनिक या सामजिक रीतियों के विवादों का अन्तिम निर्णायक है। 'आस्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन की उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास है ओर 'नास्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन की उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास नहीं है।
3. वेद में उच्चतम आध्यात्मिक ज्ञान (परा विद्या) के साथ-साथ दुनिया का ज्ञान (अपरा विद्या) भी शामिल है। अतः दर्शन के अतिरिक्त हमें इसमें विज्ञान, चिकित्सा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, कृषि, काव्य, कला, संगीत इत्यादी अन्य विभिन्न विषयों का वर्णन हमें प्राप्त होता है।
4. वेद अपनी पवित्रता और निर्मलता में अद्वितीय है। वेद का पाठ सहस्त्रों वर्षों के पश्चात भी किसी भी परिवर्तन या प्रक्षेप के बिना अपने शुद्ध और मूल रूप में संरक्षित है। वेद सच्चे ज्ञान का एकमात्र विशुद्ध अन्तर्धन है। इतना ही नहीं यूनेस्को ने भी इसे मानवता कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का भाग घोषित किया है।
5. वैदिक भाषा शेली सुक्ष्म एवं संक्षिप्त अभिव्यक्ति कि अवधारणा है। प्रायः इसमें गहरे गूढ़ अर्थ मिलते हैं जो रहस्यमयी सत्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं। वैदिक द्रष्टाओंके तात्कालिक उत्तराधिकारियों से लेकर हमारे समय तक के ज्ञानियों का एक मात्र गहन अध्ययन वेद में गुप्त सर्वोत्तम सत्य का रहस्योद्घाटनरहा है।
6. यही कारण है कि कई टीकाएँ और सन्दर्भ-पुस्तकें वेद और वैदिक अवधारणाओंकि समझने के लिए प्राचीन और आधुनिक विद्वानों द्वारा लिखी गई हैं। यह विशाल संदर्भ सामग्री वैदिक ग्रंथों के प्रमुखत्व को पुनः रेखांकित करता है।

18 अशुद्धियाँ

कुल = 18 = अठारह अशुद्धियाँ

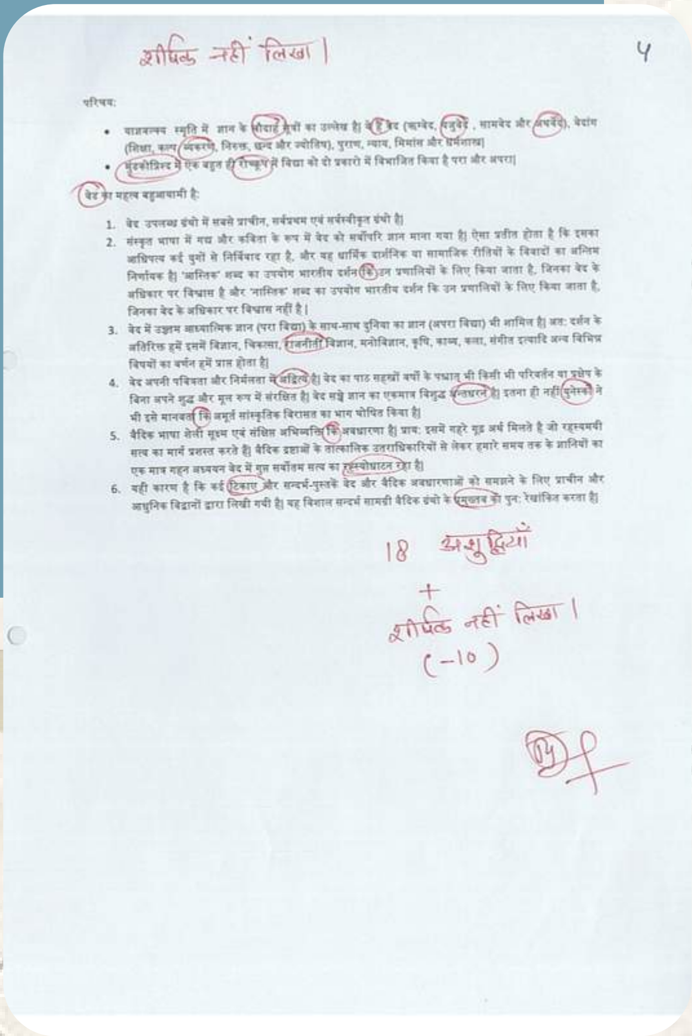

शीर्षक नहीं लिखा।

4

परिचय:

- याज्ञवल्क्य स्मृति में ज्ञान के चौदाहे सूत्रों का उल्लेख है। वे हैं वेद (ऋग्वेद, यजुर्वेद , सामवेद और अथर्ववेद), वेदांग (शिक्षा, कल्प, व्यकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष), पुराण, न्याय, मिमांसा और धर्मशास्त्र।
- मुंडकोप्रिन्द में एक बहुत ही रोचकरूप में विद्या को दो प्रकारो में विभाजित किया है परा और अपरा।

वेद का महत्व बहुआयामी है:

1. वेद उपलब्ध ग्रंथो में सबसे प्राचीन, सर्वप्रथम एवं सर्वस्वीकृत ग्रंथो है।
2. संस्कृत भाषा में गद्य और कविता के रूप में वेद को सर्वोपरि ज्ञान माना गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि इसका आधिपत्य कई युगों से निर्विवाद रहा है, और यह धार्मिक दार्शनिक या सामाजिक रीतियों के विवादों का अन्तिम निर्णायक है। 'आस्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन कि उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास है और 'नास्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन कि उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास नहीं है।
3. वेद में उच्चतम आध्यात्मिक ज्ञान (परा विद्या) के साथ-साथ दुनिया का ज्ञान (अपरा विद्या) भी शामिल है। अतः दर्शन के अतिरिक्त हमें इसमें विज्ञान, चिकत्सा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, कृषि, काव्य, कला, संगीत इत्यादि अन्य विभिन्न विषयों का वर्णन हमें प्राप्त होता है।
4. वेद अपनी पविकता और निर्मलता में अद्वितय है। वेद का पाठ सहस्त्रों वर्षों के पश्चात् भी किसी भी परिवर्तन या प्रक्षेप के बिना अपने शुद्ध और मूल रूप में संरक्षित है। वेद सच्चे ज्ञान का एकमात्र विशुद्ध अन्तधरन है। इतना ही नहीं युनेस्को ने भी इसे मानवता कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का भाग घोषित किया है।
5. वैदिक भाषा शेली सूक्ष्म एवं संक्षिप्त अभिव्यक्ति कि अवधारणा है। प्राय: इसमें गहरे गूढ़ अर्थ मिलते है जो रहस्यमयी सत्य का मार्ग प्रशस्त करते है। वैदिक द्रष्टाओं के तात्कालिक उत्तराधिकारियों से लेकर हमारे समय तक के ज्ञानियों का एक मात्र गहन अध्ययन वेद में गुप्त सर्वोत्तम सत्य का रहस्योघाटन रहा है।
6. यही कारण है कि कई टिकाएं और सन्दर्भ-पुस्तके वेद और वैदिक अवधारणाओं को समझने के लिए प्राचीन और आधुनिक विद्वानों द्वारा लिखी गयी है। यह विशाल सन्दर्भ सामग्री वैदिक ग्रंथो के प्रमुखत्व को पुनः रेखांकित करता है।

18 अशुद्धियाँ
+
शीर्षक नहीं लिखा।
(−10)

हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

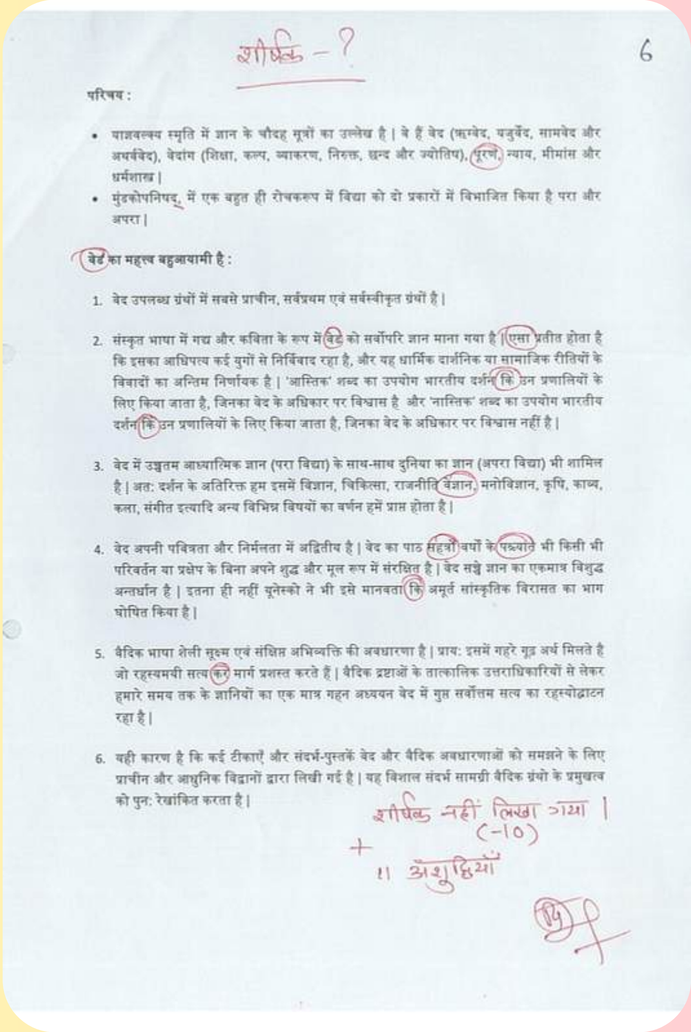

शीर्षक – ?

6

परिचय :

- याज्ञवल्क्य स्मृति में ज्ञान के चौदह सूत्रों का उल्लेख है | वे हैं वेद (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद), वेदांग (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष), पुराण, न्याय, मीमांस और धर्मशास्त्र |
- मुंडकोपनिषद्, में एक बहुत ही रोचकरूप में विद्या को दो प्रकारों में विभाजित किया है परा और अपरा |

वेद का महत्त्व बहुआयामी है :

1. वेद उपलब्ध ग्रंथों में सबसे प्राचीन, सर्वप्रथम एवं सर्वस्वीकृत ग्रंथों है |
2. संस्कृत भाषा में गद्य और कविता के रूप में वेद को सर्वोपरि ज्ञान माना गया है | एसा प्रतीत होता है कि इसका आधिपत्य कई युगों से निर्विवाद रहा है, और यह धार्मिक दार्शनिक या सामाजिक रीतियों के विवादों का अन्तिम निर्णायक है | 'आस्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन कि उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास है और 'नास्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन कि उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास नहीं है |
3. वेद में उच्चतम आध्यात्मिक ज्ञान (परा विद्या) के साथ-साथ दुनिया का ज्ञान (अपरा विद्या) भी शामिल है | अत: दर्शन के अतिरिक्त हम इसमें विज्ञान, चिकित्सा, राजनीति वैज्ञान, मनोविज्ञान, कृषि, काव्य, कला, संगीत इत्यादि अन्य विभिन्न विषयों का वर्णन हमें प्राप्त होता है |
4. वेद अपनी पवित्रता और निर्मलता में अद्वितीय है | वेद का पाठ सहत्रों वर्षों के पश्चाते भी किसी भी परिवर्तन या प्रक्षेप के बिना अपने शुद्ध और मूल रूप में संरक्षित है | वेद सच्चे ज्ञान का एकमात्र विशुद्ध अन्तर्धान है | इतना ही नहीं यूनेस्को ने भी इसे मानवता कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का भाग घोषित किया है |
5. वैदिक भाषा शेली सूक्ष्म एवं संक्षिप्त अभिव्यक्ति की अवधारणा है | प्राय: इसमें गहरे गूढ़ अर्थ मिलते है जो रहस्यमयी सत्य करे मार्ग प्रशस्त करते हैं | वैदिक द्रष्टाओं के तात्कालिक उत्तराधिकारियों से लेकर हमारे समय तक के ज्ञानियों का एक मात्र गहन अध्ययन वेद में गुप्त सर्वोत्तम सत्य का रहस्योद्घाटन रहा है |
6. यही कारण है कि कई टीकाएँ और संदर्भ-पुस्तकें वेद और वैदिक अवधारणाओं को समझने के लिए प्राचीन और आधुनिक विद्वानों द्वारा लिखी गई है | यह विशाल संदर्भ सामग्री वैदिक ग्रंथो के प्रमुखत्व को पुन: रेखांकित करता है |

शीर्षक नहीं लिखा गया | (-10)
+
11 अशुद्धियाँ

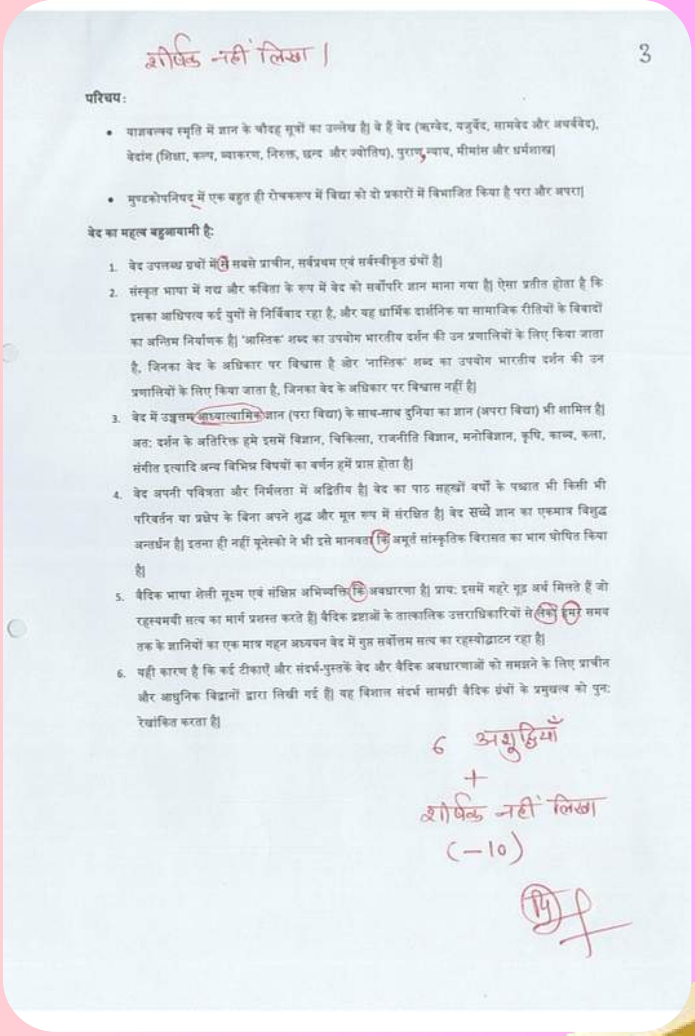

शीर्षक नहीं लिखा |

3

परिचय:

- याज्ञवल्क्य स्मृति में ज्ञान के चौदह सूत्रों का उल्लेख है| वे हैं वेद (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद), वेदांग (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष), पुराण, न्याय, मीमांस और धर्मशास्त्र|
- मुण्डकोपनिषद् में एक बहुत ही रोचकरूप में विद्या को दो प्रकारों में विभाजित किया है परा और अपरा|

वेद का महत्व बहुआयामी है:

1. वेद उपलब्ध ग्रंथों में से सबसे प्राचीन, सर्वप्रथम एवं सर्वस्वीकृत ग्रंथों है|
2. संस्कृत भाषा में गद्य और कविता के रूप में वेद को सर्वोपरि ज्ञान माना गया है| ऐसा प्रतीत होता है कि इसका आधिपत्य कई युगों से निर्विवाद रहा है, और यह धार्मिक दार्शनिक या सामाजिक रीतियों के विवादों का अन्तिम निर्णायक है| 'आस्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन की उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास है ओर 'नास्तिक' शब्द का उपयोग भारतीय दर्शन की उन प्रणालियों के लिए किया जाता है, जिनका वेद के अधिकार पर विश्वास नहीं है|
3. वेद में उच्चतम आध्यात्यामिक ज्ञान (परा विद्या) के साथ-साथ दुनिया का ज्ञान (अपरा विद्या) भी शामिल है| अत: दर्शन के अतिरिक्त हमे इसमें विज्ञान, चिकित्सा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, कृषि, काव्य, कला, संगीत इत्यादि अन्य विभिन्न विषयों का वर्णन हमें प्राप्त होता है|
4. वेद अपनी पवित्रता और निर्मलता में अद्वितीय है| वेद का पाठ सहस्त्रों वर्षों के पश्चात भी किसी भी परिवर्तन या प्रक्षेप के बिना अपने शुद्ध और मूल रूप में संरक्षित है| वेद सच्चे ज्ञान का एकमात्र विशुद्ध अन्तर्धन है| इतना ही नहीं यूनेस्को ने भी इसे मानवता कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का भाग घोषित किया है|
5. वैदिक भाषा शेली सूक्ष्म एवं संक्षिप्त अभिव्यक्ति कि अवधारणा है| प्राय: इसमें गहरे गूढ़ अर्थ मिलते हैं जो रहस्यमयी सत्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं| वैदिक द्रष्टाओं के तात्कालिक उत्तराधिकारियों से लेकों हमारे समय तक के ज्ञानियों का एक मात्र गहन अध्ययन वेद में गुप्त सर्वोत्तम सत्य का रहस्योद्घाटन रहा है|
6. यही कारण है कि कई टीकाएँ और संदर्भ-पुस्तकें वेद और वैदिक अवधारणाओं को समझने के लिए प्राचीन और आधुनिक विद्वानों द्वारा लिखी गई है| यह विशाल संदर्भ सामग्री वैदिक ग्रंथों के प्रमुखत्व को पुन: रेखांकित करता है|

6 अशुद्धियाँ
+
शीर्षक नहीं लिखा (-10)

हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)

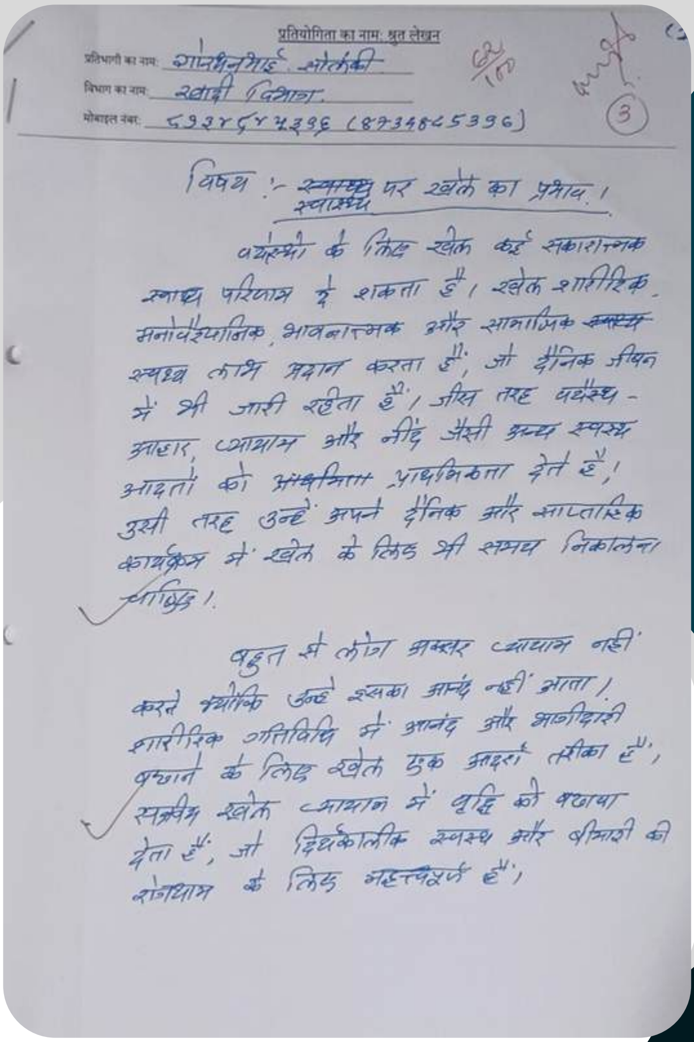

प्रतियोगिता का नाम: श्रुत लेखन

प्रतिभागी का नाम: गांधीनभाई सोलंकी

विभाग का नाम: खादी विभाग

मोबाइल नंबर: 8934848396 (8934848396)

62/100

3

विषय :- स्वास्थ्य पर खेल का प्रभाव।

वयस्कों के लिए खेल कई सकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दे सकता है। खेल शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, जो दैनिक जीवन में भी जारी रहता है। जिस तरह वयस्क आहार, व्यायाम और नींद जैसी अन्य स्वस्थ आदतों को प्राथमिकता देते हैं। उसी तरह उन्हें अपने दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रम में खेल के लिए भी समय निकालना चाहिए।

बहुत से लोग अक्सर व्यायाम नहीं करते क्योंकि उन्हें इसका आनंद नहीं आता। शारीरिक गतिविधि में आनंद और भागीदारी बढ़ाने के लिए खेल एक आदर्श तरीका है, सक्रिय खेल व्यायाम में वृद्धि को बढ़ावा देता है, जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण है।

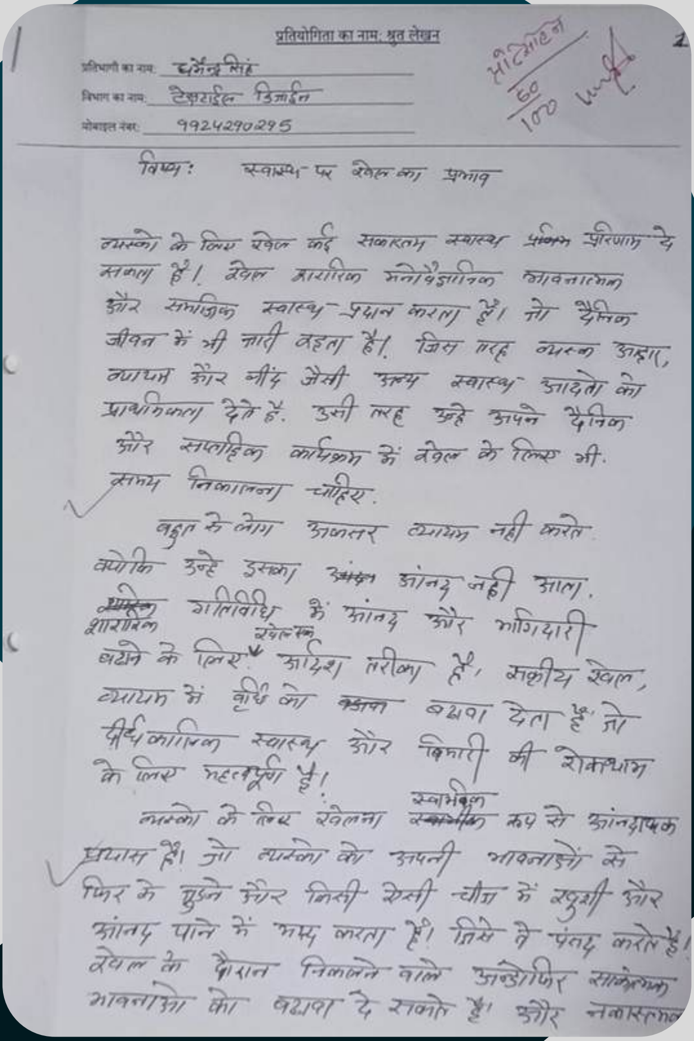

प्रतियोगिता का नाम: श्रुत लेखन

प्रतिभागी का नाम: धर्मेन्द्र सिंह

विभाग का नाम: टेक्सटाईल डिज़ाईन

मोबाइल नंबर: 9924290295

मोटिवेशन

60/100

विषय: स्वास्थ्य पर खेल का प्रभाव

व्यस्को के लिए खेल कई सकारात्म स्वास्थ्य परिणाम दे सकता है। खेल शारीरिक मनोवैज्ञानिक भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य प्रदान करता है। जो दैनिक जीवन में भी जारी रहता है। जिस तरह व्यस्क आहार, व्यायाम और नींद जैसी अन्य स्वास्थ्य आदतो को प्राथमिकता देते हैं. उसी तरह उन्हे अपने दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रम में खेल के लिए भी समय निकालना चाहिए.

बहुत से लोग अक्सर व्यायम नही करते क्योकि उन्हे इसका आनन्द नही आता. शारीरिक गतिविधि में आनन्द और भागीदारी बढ़ाने के लिए खेल एक आदर्श तरीका है, सक्रीय खेल, व्यायम में वृद्धि को बढ़ावा देता है, जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य और बिमारी की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण है।

व्यस्को के लिए खेलना स्वाभाविक रूप से आनंदायक प्रयास है। जो व्यस्को को अपनी भावनाओं से फिर से जुड़ने और किसी ऐसी चीज में खुशी और आनन्द पाने में मदद करता है। जिसे वे पसंद करते है। खेल के दौरान निकलने वाले एन्डोर्फिन सकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा दे सकते हैं। और नकारात्मक

हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)

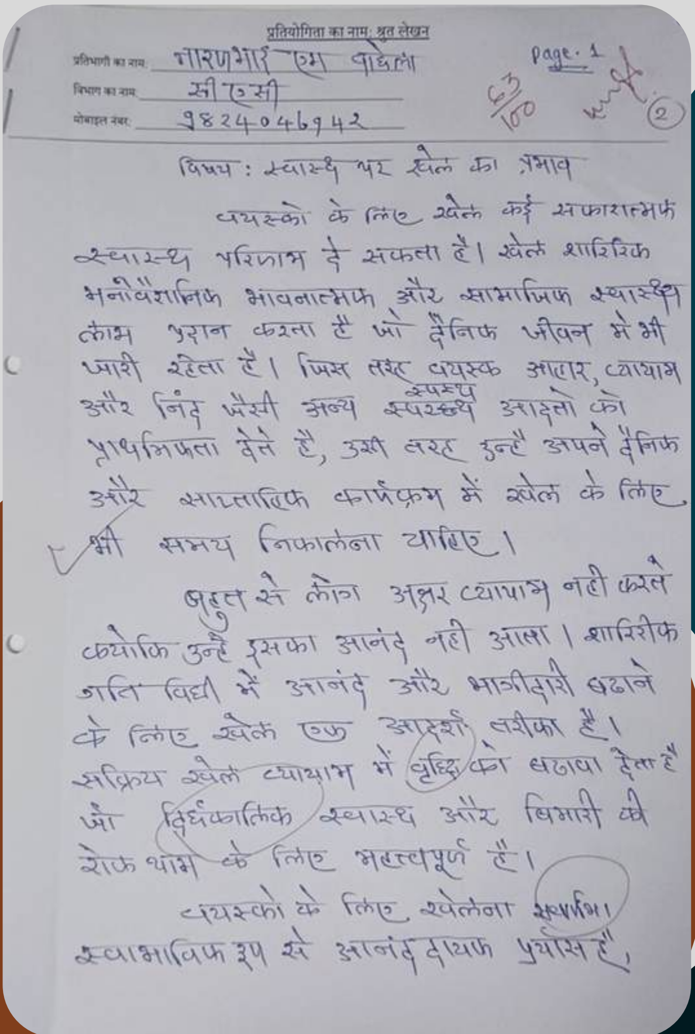

प्रतियोगिता का नाम: श्रुत लेखन

प्रतिभागी का नाम: नारणभाई एम वाघेला

विभाग का नाम: सी एसी

मोबाइल नंबर: 9824046942

Page. 1

63/100 ②

विषय : स्वास्थ पर खेल का प्रभाव

वयस्को के लिए खेल कई सकारात्मक स्वास्थ परिणाम दे सकता है। खेल शारिरिक मनोवैंशानिक भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है जो दैनिक जीवन मे भी जारी रहेता है। जिस तरह वयस्क आहार, व्यायाम और निंद जैसी अन्य स्वस्थ्य आदतो को प्राथमिकता देते है, उसी तरह इन्हें अपने दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रम में खेल के लिए भी समय निकालना चाहिए।

बहुत से लोग अक्सर व्यायाम नही करते क्योंकि उन्हें इसका आनंद नही आता। शारिरीक गति विधी मैं आनंद और भागीदारी बढाने के लिए खेल एक आदर्श तरीका है। सक्रिय खेल व्यायाम में वृद्धि को बढावा देता हैं जो दिर्घकालिक स्वास्थ और बिमारी की रोक थाम के लिए महत्वपूर्ण है।

वयस्को के लिए खेलना स्वाभाविक रूप से आनंददायक प्रयास हैं।

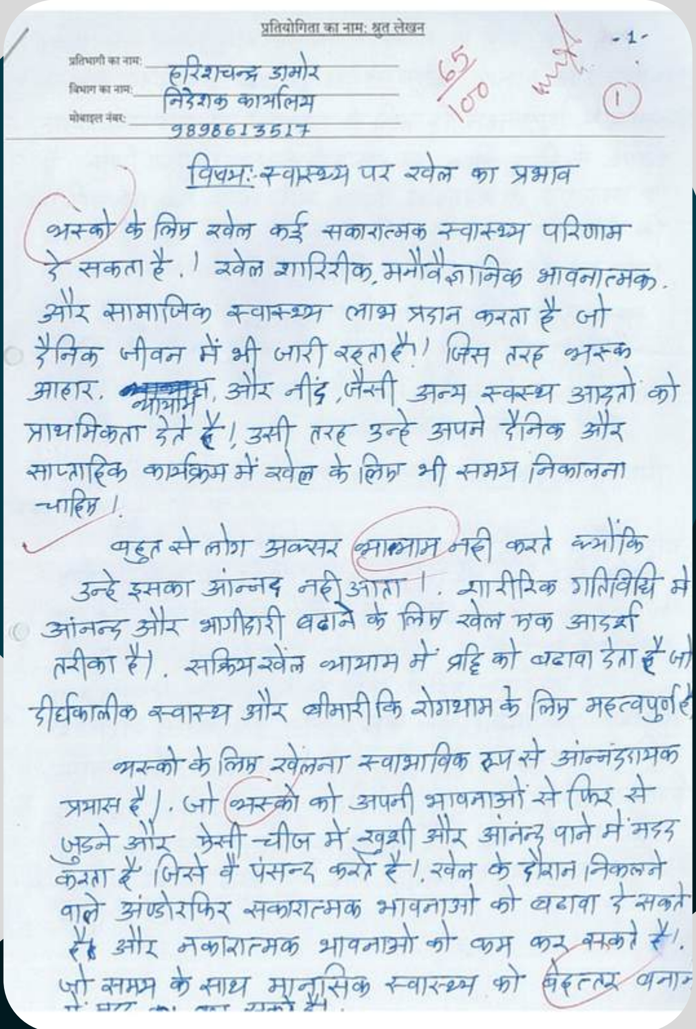

प्रतियोगिता का नाम: श्रुत लेखन

प्रतिभागी का नाम: हरिशचन्द्र डामोर

विभाग का नाम: निदेशक कार्यालय

मोबाइल नंबर: 9898613517

-1-

65/100 ①

विषय: स्वास्थ्य पर खेल का प्रभाव

वयस्को के लिए खेल कई सकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दे सकता है। खेल शारिरीक, मनौवैज्ञानिक भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है जो दैनिक जीवन में भी जारी रहता है। जिस तरह वयस्क आहार, व्यायाम, और नींद, जैसी अन्य स्वस्थ आदतो को प्राथमिकता देते है। उसी तरह उन्हे अपने दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रम में खेल के लिए भी समय निकालना चाहिए।

बहुत से लोग अक्सर व्यायाम नही करते क्योंकि उन्हे इसका आंनन्द नही आता। शारीरिक गतिविधि मे आंनन्द और भागीदारी बढाने के लिए खेल एक आदर्श तरीका है। सक्रिय खेल व्यायाम मे वृद्दि को बढावा देता है जो दीर्घकालीक स्वास्थ्य और बीमारी कि रोगथाम के लिए महत्वपुर्ण है

वयस्को के लिए खेलना स्वाभाविक रूप से आंनन्ददायक प्रयास है। जो वयस्को को अपनी भावनाओं से फिर से जुडने और ऐसी चीज मे खुशी और आंनन्द पाने में मदद करता है जिसे वे पंसन्द करते है। खेल के दौरान निकलने वाले अंण्डोरफिर सकारात्मक भावनाओ को बढावा दे सकते है और नकारात्मक भावनाओ को कम कर सकते है। जो समय के साथ मानसिक स्वास्थ्य को बेहत्तर बनाने में मदद कर सकते है।

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

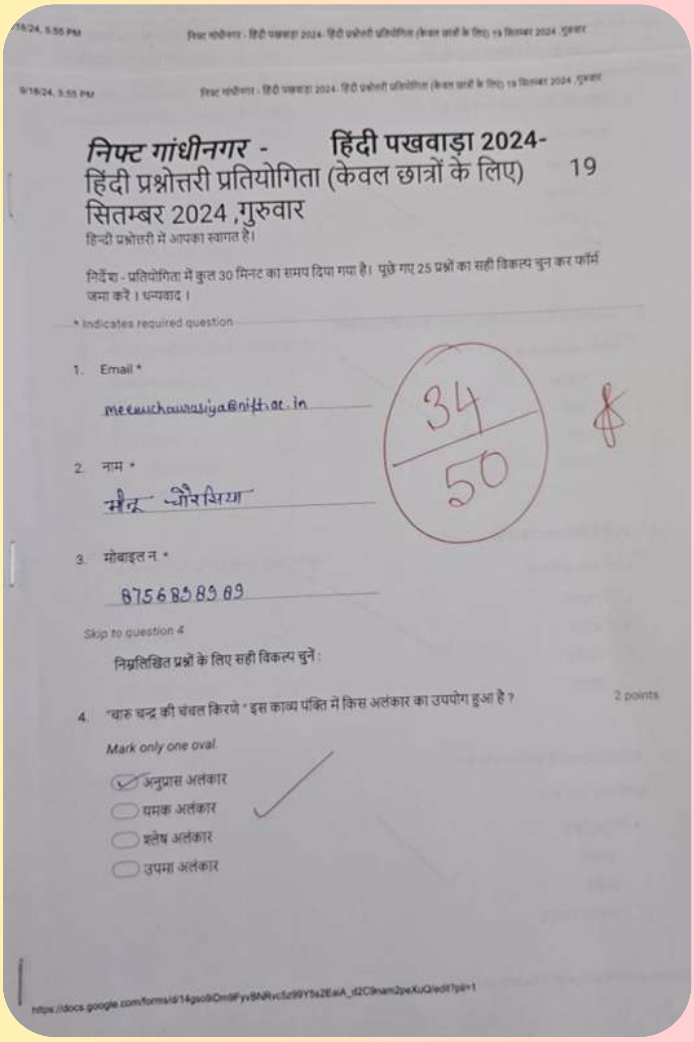

9/18/24, 5:55 PM निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

हिन्दी प्रश्नोत्तरी में आपका स्वागत है।

निर्देश - प्रतियोगिता में कुल 30 मिनट का समय दिया गया है। पूछे गए 25 प्रश्नों का सही विकल्प चुन कर फॉर्म जमा करें। धन्यवाद।

* Indicates required question

1. Email *

meenuchaurasiya@nift.ac.in

2. नाम *

मीनू चौरसिया

3. मोबाइल न. *

8756858989

34/50

Skip to question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनें :

4. "चारु चन्द्र की चंचल किरणे " इस काव्य पंक्ति में किस अलंकार का उपयोग हुआ है ? 2 points

Mark only one oval.

- [x] अनुप्रास अलंकार
- [ ] यमक अलंकार
- [ ] श्लेष अलंकार
- [ ] उपमा अलंकार

https://docs.google.com/forms/d/14gso9Dm9FyvBNRvc5z99Y5s2EaiA_d2C9nam2peXuQ/edit?pli=1

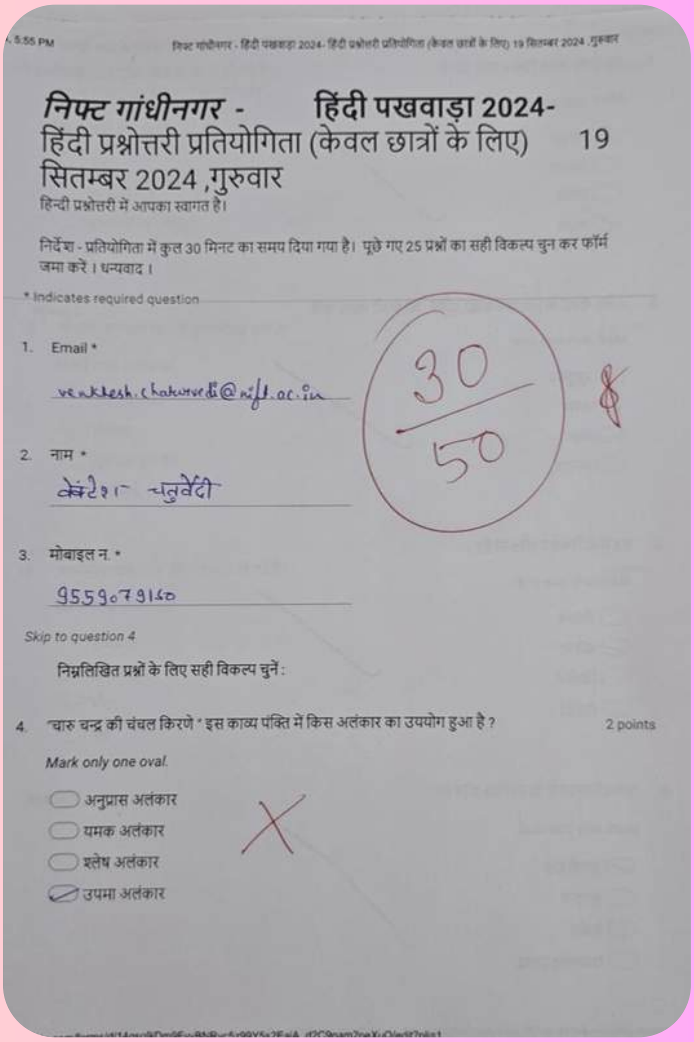

5:55 PM निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

हिन्दी प्रश्नोत्तरी में आपका स्वागत है।

निर्देश - प्रतियोगिता में कुल 30 मिनट का समय दिया गया है। पूछे गए 25 प्रश्नों का सही विकल्प चुन कर फॉर्म जमा करें। धन्यवाद।

* Indicates required question

1. Email *

venktesh.chaturvedi@nift.ac.in

2. नाम *

वेंकटेश चतुर्वेदी

3. मोबाइल न. *

9559079160

30/50

Skip to question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनें :

4. "चारु चन्द्र की चंचल किरणे " इस काव्य पंक्ति में किस अलंकार का उपयोग हुआ है ? 2 points

Mark only one oval.

- [ ] अनुप्रास अलंकार
- [ ] यमक अलंकार
- [ ] श्लेष अलंकार
- [x] उपमा अलंकार

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

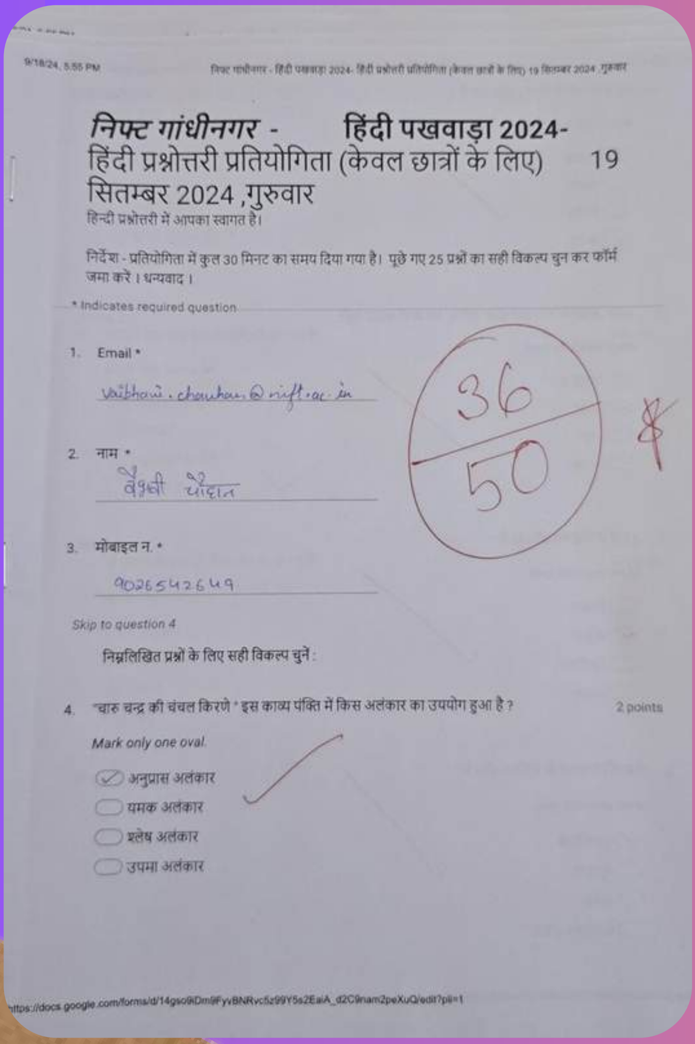

9/18/24, 5:55 PM — निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

हिन्दी प्रश्नोत्तरी में आपका स्वागत है।

निर्देश - प्रतियोगिता में कुल 30 मिनट का समय दिया गया है। पूछे गए 25 प्रश्नों का सही विकल्प चुन कर फॉर्म जमा करे । धन्यवाद ।

* Indicates required question

1. Email *
   vaibhavi.chauhan@nift.ac.in
2. नाम *
   वैभवी चौहान
3. मोबाइल न. *
   9026542649

36/50

Skip to question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनें :

4. "चारु चन्द्र की चंचल किरणे " इस काव्य पंक्ति में किस अलंकार का उपयोग हुआ है ? (2 points)

   Mark only one oval.

   - ✓ अनुप्रास अलंकार
   - यमक अलंकार
   - श्लेष अलंकार
   - उपमा अलंकार

https://docs.google.com/forms/d/14gso9Dm9FyvBNRvc5z99Y5s2EaiA_d2C9nam2peXuQ/edit?pli=1

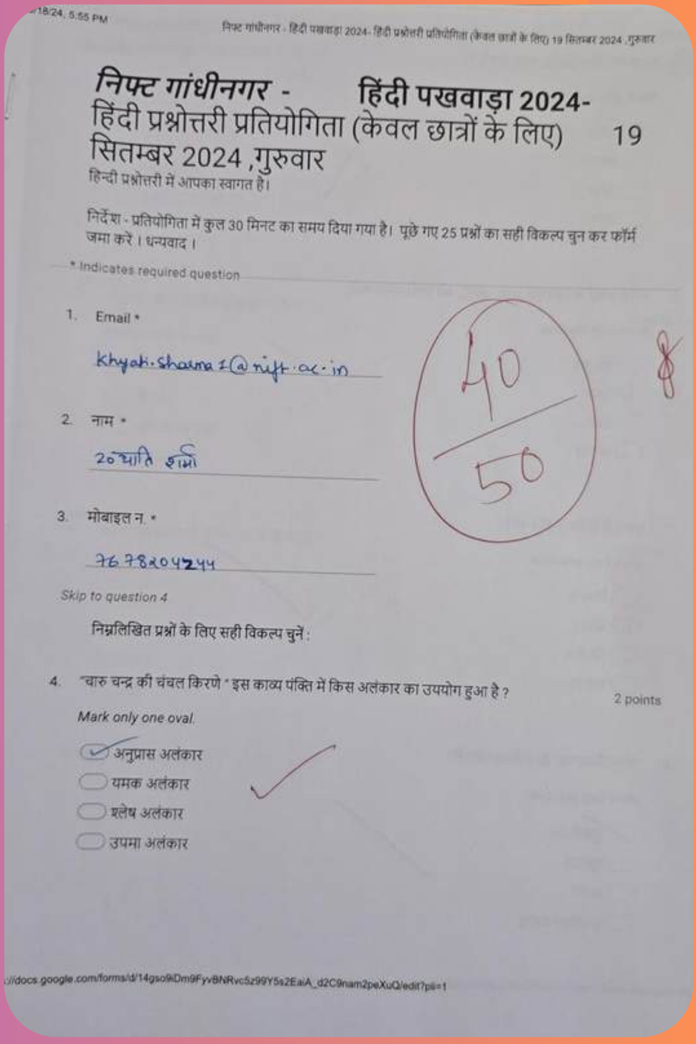

9/18/24, 5:55 PM — निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

निफ्ट गांधीनगर - हिंदी पखवाड़ा 2024- हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए) 19 सितम्बर 2024 ,गुरुवार

हिन्दी प्रश्नोत्तरी में आपका स्वागत है।

निर्देश - प्रतियोगिता में कुल 30 मिनट का समय दिया गया है। पूछे गए 25 प्रश्नों का सही विकल्प चुन कर फॉर्म जमा करे । धन्यवाद ।

* Indicates required question

1. Email *
   khyati.sharma1@nift.ac.in
2. नाम *
   ख्याति शर्मा
3. मोबाइल न. *
   7678204244

40/50

Skip to question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनें :

4. "चारु चन्द्र की चंचल किरणे " इस काव्य पंक्ति में किस अलंकार का उपयोग हुआ है ? (2 points)

   Mark only one oval.

   - ✓ अनुप्रास अलंकार
   - यमक अलंकार
   - श्लेष अलंकार
   - उपमा अलंकार

https://docs.google.com/forms/d/14gso9Dm9FyvBNRvc5z99Y5s2EaiA_d2C9nam2peXuQ/edit?pli=1

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

कभी तो नज़रें उठा कर देखो

कभी तो नज़रें उठा कर देखो
मेरी बातों को गले से लगा कर देखो
जहाँ पर ख़त्म होगा ये कारवां
वहा तक कभी साथ निभा कर देखो

चल पड़ी है गलतियों की डोर रास्ते से
अपनी गुनाहें भी कभी बता कर देखो

कि रोती है तुम्हारी आँखें मुझे देखने को
खबर है मुझे, कभी मेरी यादों की चादर बिछा कर देखो

जाती हूँ मैं एक वर्ष में एक बार पर
मेरी तकलीफ का अंदाजा लगा कर देखो
और... फुरसत के हुए करते थे वो दिन मुस्कुराने के
आज इस उदास चहरे को पास बुला कर देखो

हम मिले न मिले इस रास्ते पे फिर कभी
हम मिलेंगे जहाँ, वो रास्ता बना कर देखो
और ये कश्ती किनारे से चल पड़ी है
तुम भी अपनी बाहें फैला कर तो देखो

कभी मेरी तन्हाई से गुफ्तगु लगा कर देखो।

कुमारी प्रिया, AD-5

धर्मराज की सभा में, विधि का घोर अंधेरा,
आदर्शों की आभा छिपी, द्वारका के ध्वज से हुआ सवेरा।
जब यथार्थ की काली छाया लिए, सभा में अशांति छाई,
द्रौपदी के चीर की माया, त्रासदी अंधकारमायी लाई।
हस्तिनापुर भवन में, धर्म का शासन डगमगाया,
महासंग्राम के स्वर में केशव ने भगवद् वचन कहलाया।

जब न्याय की जयमाला पलटी, आई अधर्म की चादर ओढ़े,
विदेह की सखी संग लाई, दीनों के सागर के जब बांध सब तोड़े।
जब वचन की मूल्यवानता भटकी, संकट में आया धान का एक कण,
धृतराष्ट्र के भवन ने देखा उस पहर, विवेक का अमूल्य वचन।

न्याय का हर पल मौन, आस्था की डोर टूटी,
कौरवों की छल-नीति से, द्रौपदी की चीत्कार गूंजती।
सदाचार के दीप धुंधले, सत्य का कठिन सफर,
माधव की मुरली की धुन से, फिर गूंजा सा धर्म का स्वर।

निराशा की गहरी खाई में, आशा का दीप जलाया,
द्रौपदी करुणा में भी, कृष्ण ने स्नेह का सागर बहाया।
संग मुरलीधर की माया, धर्मराज की उपस्थिति - है! पार्थ,
समय के पृष्ठों में अमर लिखि - यह विजय कथा,
हृदय हृदय में बसी हो जैसे, पथप्रकाश की यह रेखा।

अनुष्का गुप्ता, BFT-7

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

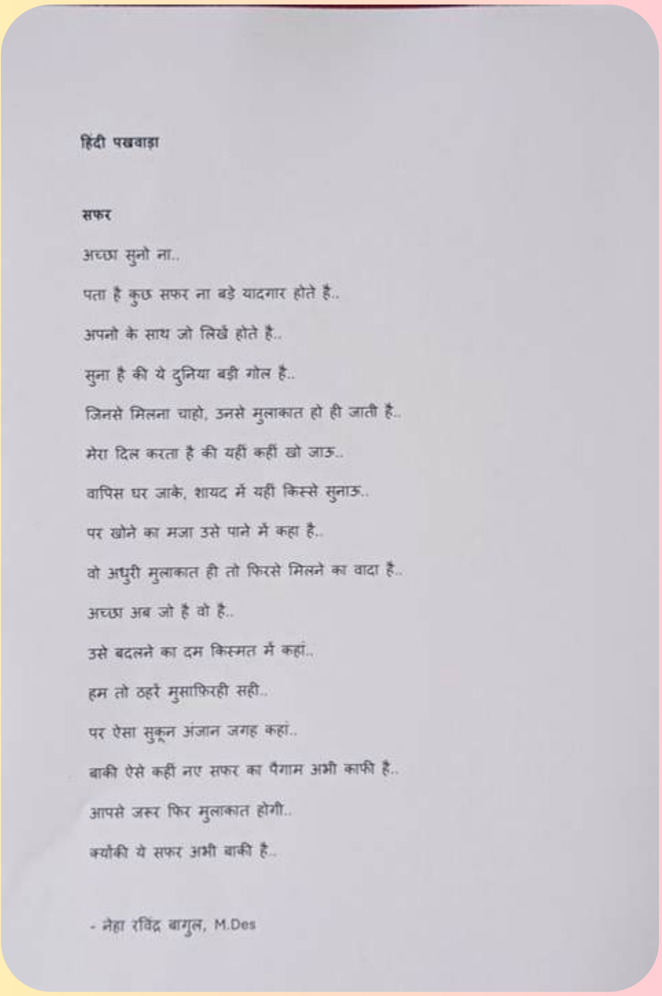

हिंदी पखवाड़ा

सफर

अच्छा सुनो ना..

पता है कुछ सफर ना बड़े यादगार होते है..

अपनो के साथ जो लिखें होते है..

सुना है की ये दुनिया बड़ी गोल है..

जिनसे मिलना चाहो, उनसे मुलाकात हो ही जाती है..

मेरा दिल करता है की यहीं कहीं खो जाऊ..

वापिस घर जाके, शायद मै यहीं किस्से सुनाऊ..

पर खोने का मजा उसे पाने मै कहा है..

वो अधुरी मुलाकात ही तो फिरसे मिलने का वादा है..

अच्छा अब जो है वो है..

उसे बदलने का दम किस्मत मे कहां..

हम तो ठहरें मुसाफिरही सही..

पर ऐसा सुकून अंजान जगह कहां..

बाकी ऐसे कहीं नए सफर का पैगाम अभी काफी है..

आपसे जरूर फिर मुलाकात होगी..

क्योंकी ये सफर अभी बाकी है..

- नेहा रविंद्र बागुल, M.Des

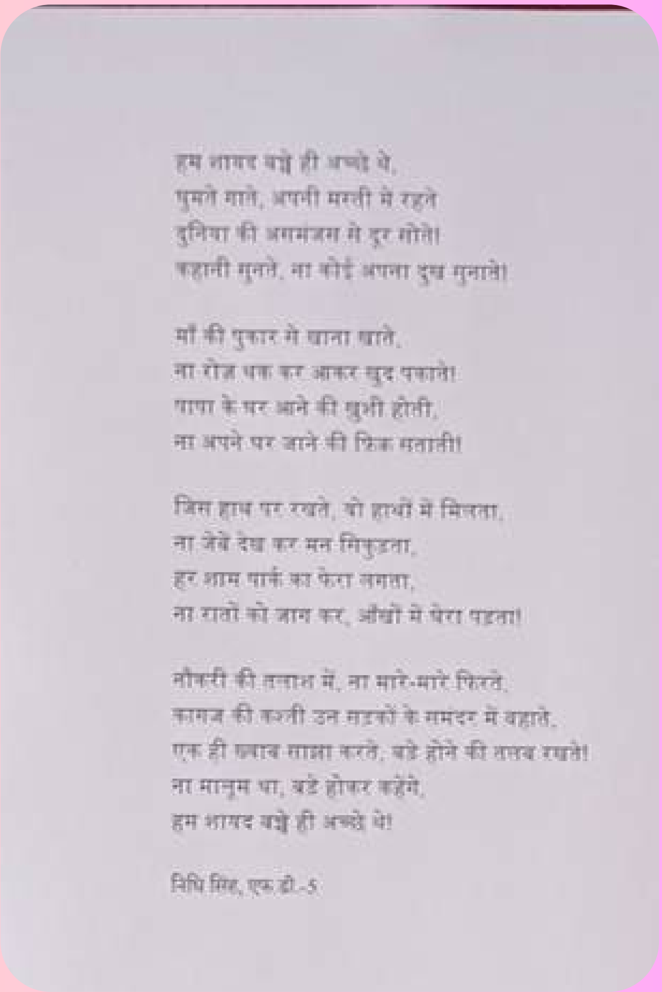

हम शायद बच्चे ही अच्छे थे,
घूमते गाते, अपनी मस्ती में रहते
दुनिया की असमंजस से दूर सोते।
कहानी सुनते, ना कोई अपना दुख सुनाते।

माँ की पुकार में खाना खाते,
ना रोज़ थक कर आकर खुद पकाते।
पापा के घर आने की खुशी होती,
ना अपने घर जाने की फ़िक्र सताती।

जिस हाथ पर रखते, वो हाथों में मिलता,
ना जेबें देख कर मन सिकुड़ता,
हर शाम पार्क का फेरा लगता,
ना रातों को जाग कर, आँखों में घेरा पड़ता।

नौकरी की तलाश में, ना मारे-मारे फिरते,
कागज की कश्ती उन सड़कों के समंदर में बहाते,
एक ही ख्वाब साझा करते, बड़े होने की तलब रखते।
ना मालूम था, बड़े होकर कहेंगे,
हम शायद बच्चे ही अच्छे थे।

निधि सिंह, एफ.डी.-5

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता -2024

प्रतिभागी का नाम: हर्षवर्धन धबाते UID: BFT/23/L4 विभाग: BFT

20/30

शीर्षक: नया भारत :- शिक्षा और खेल से विजय।

भारतीय विचारों को देखते हुए हमने यह देखा है कि भारतीय माता पिता खेल के अपेक्षा शिक्षा को अधीक महत्व देते हैं। खेल आज के समय मे भारतीय माता पिता के विचारों को परिवर्त कर दिया है। शिक्षा वा खेल के मिलन से एक विद्यार्थि अपने उज्ज्वल भाविष्य कि रचना कर सकता है। भारत भलय हि चिन, अमरीका जैसे देशो की तरहा ओलंपिक मे अपनी छाप नही छोड़ पा रहा है। परंतु, भारतीय खिलाड़ी नव जवान

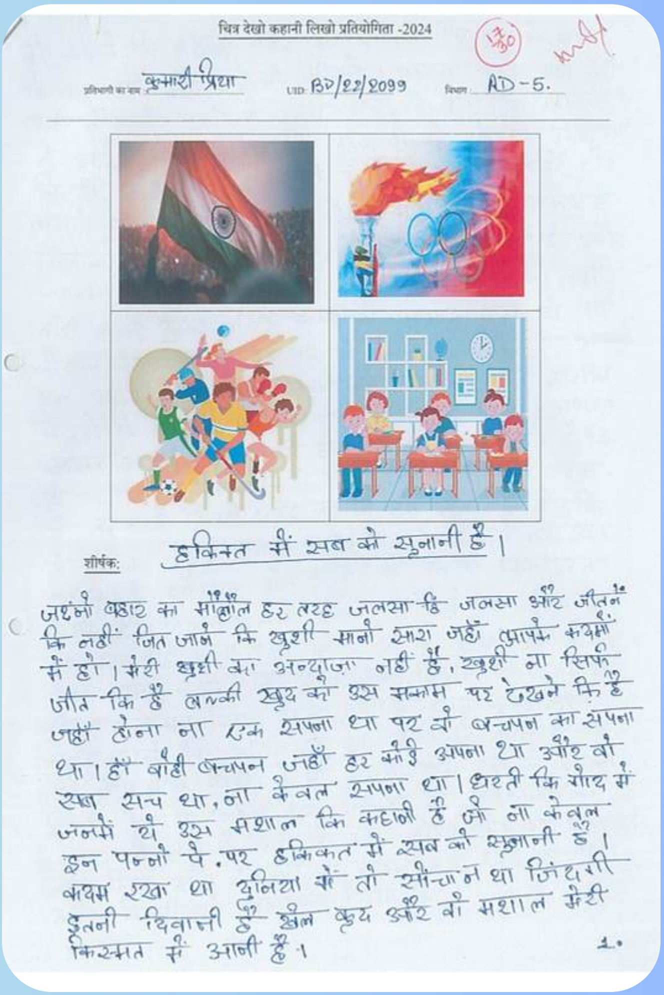

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता -2024

प्रतिभागी का नाम: कुमारी प्रिया UID: BD/22/2099 विभाग: AD-5.

शीर्षक: हकिकत में सब को सुनानी है।

जहां भी बहार का माहौल हर तरह जलसा हि जलसा और जीतने कि नहीं जित जाने कि खुशी मानो सारा जहाँ आपके कदमों में हो। मेरी खुशी का अन्दाजा नहीं है, खुशी ना सिर्फ जीत कि है बल्की खुद को उस मकाम पर देखने कि है जहाँ होना ना एक सपना था पर वो बचपन का सपना था। हाँ वोही बचपन जहाँ हर कोई अपना था और वो सब सच था, ना केवल सपना था। धरती कि गोद में जन्में थे उस मशाल कि कहानी है जो ना केवल इन पन्नों पे, पर हकिकत में सब को सुनानी है। कदम रखा था दुनिया में तो सोचा न था जिंदगी इतनी दिवानी है खेल कूद और वो मशाल मेरी किस्मत में आनी है।

1.

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता -2024

20/30 ①

प्रतिभागी का नाम प्रत्युशा बिष्ट UID: BFT/22/184 विभाग BFT-5

शीर्षक: मैं और मेरा महान भारत

बचपन से मुझे इस बात का गर्व रहेगा की मैंने भारत जैसे देश मे जन्म लिया जहा पर हमे अलग अलग समूह के लोगों से मिलकर जिन्दगी मे कुछ न कुछ सिखने को मिला, मुझे गर्व है अपने भारत के लोगो पर जो अपनी जिन्दगी दाव लगा देते है ताकी हमारी जान सही सलामत रहे।

ना केवल भारत इन चिजो मे सक्षम है बल्कि ऐसी कही और चिजे है जहा पर भारत ने हमारा मान बढ़ाया है, कही ऐसे व्यक्ति है जिन्होंने

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता -2024

20/30

प्रतिभागी का नाम वैष्णवी देशमुख UID: BD/23/2144 विभाग TD-3

शीर्षक: सब के अंदर एक खिलाडी होना चाहिए।

यह वर्ग था ४थी कक्षा के छात्रो का, मास्तर जी अपने बच्चों को भविष्य में किए जाने वाले क्षेत्र चयन के बारें में जानकारी दे रहे थें।"बच्चों तुम्हे बडा होके क्या बनना हैं?", तभी सब विद्यार्थीयो मे हडबड मच गयी, वे जोर-जोर से अपने पसंदीदा क्षेत्र के बारे में बताने लगे, कोई बोलता डॉक्टर, तो कोई बोलता वैग्यानिक। तभी श्याम बोला, मुझे खेलना कुदना बहुत पसंद हैं, मुझे उसी मे रूची हैं, पर पिताजी बोलते हैं - खेलोगे कुदोगे तो होगे खराब, पढोगे लिखोगे बनोगे नवाब, पर अब नवाबों का समय तो नहीं रहा"। सब हसने लगते हैं।
तभी शिक्षक बच्चो को ऑलेम्पिक इस प्रतीयोगीता के बारें में बताना चालु करते हैं। वह कहते हैं की यह हर चार वर्ष मे एक बार होती हैं, जहा विवीध देशों से प्रतियोगती आतें हैं, और अपने अनेक वर्षों की मेहनत का परिक्षान करते हैं।

हिंदी नाम अभिधा गतिविधि

हिंदी पखवाडा के दौरान एक रोचक गतिविधि का आयोजन किया गया था। इस गतिवधि में प्रतिभागी को अपना नाम हिंदी में लिखना था एवं अपने नाम के आगे नाम का अर्थ हिंदी (देवनागिरी लिपि) में ही लिखना था। यह गतविधि पूरे पखवाड़े के दौरान चलती रही इसमें कर्मचारी, अधिकारी, एवं छात्रों ने बढ़- चढ़ कर भाग लिया। कई लोगो ने यह स्वीकार किया कि अपने नाम का हिंदी अर्थ जानना काफी रोचक रहा।

आकृति 10: अभिधा प्रतियोगिता में प्रतिभागी भाग लेते हुए

प्रतियोगिता में भाग लिए गए विजताओं का विवरण

निफ्ट, गांधीनगर में हिंदी पखवाड़े-2024 का आयोजन दिनांक 14-09-2024 से 30-09-2024 के बीच संपन्न हुआ, इस उपरान्त विभिन्न प्रतियोगितायों का आयोजन किया गया जिसमे परिसर के अधिकारी गण, संकाय गण, कर्मचारी गण एवं छात्रों ने अलग- अलग प्रतियोगितायों में भाग लियाI

प्रतियोगिता में भाग लिए गए विजताओं को दिए जाने वाले पुरस्काकारों का विवरण इस प्रकार है :

क्रं सं.	प्रतियोगिता/कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या	पुरस्कारों की संख्या
1	हिंदी टंकणगति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	06	03 पुरस्कार
2	हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम. टी. एस के लिए)	12	07 पुरस्कार
4	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	12	07 पुरस्कार
3	हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	08	04 पुरस्कार
5	हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	08	04 पुरस्कार
6	चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	12	07 पुरस्कार

हिंदी पखवाड़े के दौरान उपरोक्त प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण मुख्यालय द्वारा प्राप्त निम्न निमयानुसार किया गया:

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के लिए प्रस्तावित पुरस्कार की राशि इस प्रकार होगी तथा निर्णायक गणों के लिए प्रस्तावित मानदेय नीचे दिये गए विवरण के अनुसार है।

- प्रथम पुरस्कार: –रुपए 5000/- (एक प्रति प्रतियोगिता)
- द्वितीय पुरस्कार:--रुपए 4000/- (दो प्रति प्रतियोगिता)
- तृतीय पुरस्कार:–रुपए 3000/- (दो प्रति प्रतियोगिता)
- प्रोत्साहन पुरस्कार:-रुपए 1000/- (दो प्रतियोगिता)

क्रं सं	प्रतिभागियों की संख्या	पुरस्कारों की संख्या
1.	12 या 12 से अधिक प्रतिभागी होने पर	07 पुरस्कार
2.	10 से 11 होने पर	05 पुरस्कार
3.	08 से 09 होने पर	04 पुरस्कार
4.	06 से 07 होने पर	03 पुरस्कार
5.	04 से 05 होने पर	02 पुरस्कार
6.	03 अथवा 03 से कम प्रतिभागी होने पर	01 पुरस्कार

हिंदी पखवाड़ा के लिए प्रमाण पत्र

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर द्वारा दिनांक 14 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक मनाए गए हिंदी पखवाड़े में आयोजित ____________________________________ प्रतियोगिता में सुश्री/श्री____ ने भाग लेकर____पुरस्कार प्राप्त किया।

नोडल हिंदी अधिकारी

निदेशक

हिन्दी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।

-सुमित्रानंदन पंत

विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण

क्रं संख्या	प्रतियोगिता/कार्यक्रम	निर्णायक गण (प्रश्न पत्र बनाने एवं जांचने के लिए)
1.	हिंदी कविता पाठ (छात्रों के लिए)	श्री सर्वेश तिवारी
		श्री दिनेश गहलोत
		श्री संजीव कुमार
2.	हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	श्री दिनेश गहलोत
3.	हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम. टी. एस के लिए)	डॉ. वर्षाबेन पारेख
4.	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (छात्रों के लिए)	डॉ. जया शर्मा
5.	हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	श्री इंदु शेखर शर्मा
6.	चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	डॉ. वर्षाबेन पारेख

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के लिए निर्णायक गणों का चयन निफ्ट मुख्यालय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार के अनुसार हैl

विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण

निर्णायक गण का विवरण

- श्री सर्वेश तिवारी, सर्वेश कुमार तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक – राजभाषा एवं सदस्य सचिव-नराकास गांधीनगर बड़ौदा एपेक्स अकादमी, गांधीनगर
- श्री दिनेश गहलोत,स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी), केंदीय विद्यालय, शाहीबाग ,अहमदाबाद संभाग
- श्री संजीव कुमार,वित्तीय नियंत्रक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी)
- डॉ. वर्षाबेन पारेख, वरिष्ठ अध्यापक, (एम.बी.पटेल स्कूल, एसवीकेएम)
- डॉ. जया शर्मा,वरिष्ठ व्याख्याता,हिंदी राजभाषा अधिकारी,भारतीय होटल प्रबंधन,गांधीनगर,अहमदाबाद
- श्री इंदु शेखर शर्मा,तटरक्षक बल

बहु कार्यकारिणी टीम

1.	श्री विमल सिंह (सहायक प्राध्यापक, नोडल हिंदी अधिकारी)
2.	श्री मनीष शर्मा (सहायक प्राध्यापक, लिंक नोडल हिंदी अधिकारी)
3.	श्री संजीव जैन (प्रमुख संसाधन केंद्र)
4.	श्री गौरव बघेल (कनिष्ठ सहायक)
5.	श्री महेश (एम्. टी. एस.)

हिंदी पखवाड़ा 2024 का समापन

हिंदी पखवाड़ा निफ्ट, गांधीनगर के लिए हमेशा से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। हर साल विविध कार्यक्रमों के आयोजन के साथ विद्यार्थी भी हिंदी की उपलक्ष्यता को ध्यान में रख कर बड़े ही आनन्द से पूरे पखवाड़े तक संस्था द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगितायों में भाग लेते रहे हैं एवं निफ्ट निदेशक प्रो. डॉ. समीर सूद जी द्वारा हिंदी पखवाड़ा 2024 की विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

सभा के समापन पर सभी उपस्थित कार्मिकों द्वारा हिंदी के हर कार्य में बढ़ावा देने का प्रण लिया गया, इसी प्रण के साथ हिंदी पखवाड़ा वर्ष 2024 का समापन किया गया। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

“हिंदी भाषा हमारे राष्ट्र
की अभिव्यक्ति का
सरलतम स्त्रोत है।”
— सुमित्रानंदन पंत

जयहिन्द